अस्मिन् प्रश्नपत्रे 35 प्रश्नाः एवं 8 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 35 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं०

गूढसंख्या **65/S/A**
कोड नं०
स्तवकः/सेट **A**

भारतीयदर्शनम्
भारतीय दर्शन
(247)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च .....
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम् 1. .....
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

2. .....

सामान्या निर्देशाः —

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
2. निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या 65/S/A, स्तवक [A] नूनं लेख्या।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2. प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।

4. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

5. उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।

6. अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं० 65/S/A, सेट [A] अवश्य लिखें।

7. सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

भारतीयदर्शनम्

भारतीय दर्शन

(247)

परीक्षासमयावधिः — होरात्रयम्] [पूर्णाङ्काः — 100

परीक्षा का समय : तीन घंटे पूर्णाङ्क : 100

निर्देशाः — (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [A] भागे 10, [B] भागे 10, [C] भागे 10, [D] भागे 5 इति आहत्य 35 प्रश्नाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में [A] भाग में 10, [B] भाग में 10, [C] भाग में 10, [D] भाग में 5—कुल मिलाकर 35 प्रश्न हैं।

(ii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।
प्रश्न के दाहिने तरफ संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) का निर्देश है।

(iii) **सर्वे** प्रश्नाः अनिवार्याः।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

[A] दशानां युक्तं विकल्पं चिनुत— 1×10=10

दस के उचित विकल्प चुनिए :

1. कामस्य साक्षात् कारणं किमस्ति?

(क) विषयः (ख) इन्द्रियम्

(ग) धर्मः (घ) कर्म

काम का (इच्छा का) साक्षात् कारण क्या है?

(क) विषय (ख) इन्द्रिय

(ग) धर्म (घ) कर्म

2. सदानन्दयोगीन्द्रेण परम्परासम्बद्धं व्याख्यानं किम्?

(क) विद्वन्मनोरमा (ख) बालमनोरमा

(ग) वेदान्तसारः (घ) विद्वन्मनोरञ्जिनी

सदानन्द योगी द्वारा परंपरा के संबंध में दिया गया व्याख्यान क्या है?

(क) विद्वत् मनोरमा (ख) बाल मनोरमा

(ग) वेदांतसार (घ) विद्वत् मनोरञ्जिनी

3. सर्वेषाम् उपनिषदां तात्पर्यं कुत्र?

(क) जीवे (ख) ब्रह्मणि

(ग) ईश्वरे (घ) हिरण्यगर्भे

सभी उपनिषदों का अर्थ कहाँ है?

(क) जीव में (ख) ब्रह्म में

(ग) ईश्वर में (घ) हिरण्यगर्भ में

4. तत्त्वमसीति वाक्यं कस्यामुपनिषदि?

(क) मुण्डके (ख) छान्दोग्ये

(ग) कठे (घ) केने

तत्त्वमसीति वाक्य किस उपनिषद् का है?

(क) मुण्डक (ख) छान्दोग्य

(ग) कठ (घ) केन

5. कंटकादिजन्यं दुःखमेव कः?

(क) स्वर्गः (ख) नरकः

(ग) मोक्षः (घ) भूतलः

काँटा आदि से होने वाला दुख कैसा दुख माना जाता है?

(क) स्वर्ग (ख) नरक

(ग) मोक्ष (घ) भूतल

6. अयं महापुरुष अहिंसाम् उपदिदेश, कः?

(क) शङ्करः (ख) रामानुजः

(ग) बुद्धः (घ) मध्वः

इनमें से किस महापुरुष ने अहिंसा का उपदेश दिया?

(क) शंकर (ख) रामानुज

(ग) बुद्ध (घ) मध्व

7. शून्यवादः केषां सिद्धान्तः?

(क) योगाचाराणाम्
(ख) वैभाषिकाणाम्
(ग) माध्यमिकानाम्
(घ) सौत्रान्तिकानाम्

शून्यवाद किसका सिद्धांत है?

(क) योगाचार का
(ख) वैभाषिका का
(ग) माध्यमिका का
(घ) सौत्रान्तिका का

8. बौद्धदर्शनोक्ते आर्यसत्यचतुष्टये इदं नान्तर्भवति

(क) दुःखं
(ख) दुःखसमुदयः
(ग) दुःखनिरोधः
(घ) दुःखविरोधः

बौद्धदर्शन में वर्णित चार आर्य सत्यों में से संबंधित नहीं है

(क) दुख
(ख) दुखसमुदय
(ग) दुखनिरोध
(घ) दुखविरोध

9. अङ्गनालिङ्गनात् जन्यसुखमेव किम्?

(क) धर्मः
(ख) अर्थः
(ग) पुमर्थता
(घ) मोक्षः

नारी के आलिंगन से प्राप्त सुख किस प्रकार का है?

(क) धर्म
(ख) अर्थ
(ग) पुमर्थता
(घ) मोक्ष

10. बाह्यार्थानुमेयवादः स्वीक्रियते, कुत्र?

(क) सौत्रान्तिकमते
(ख) वैभाषिकमते
(ग) माध्यमिकमते
(घ) योगाचारमते

'बाह्यार्थानुमेयवाद' यह मत किसके द्वारा स्वीकार किया गया है?

(क) सौत्रान्तिक मत
(ख) वैभाषिक मत
(ग) माध्यमिक मत
(घ) योगाचार मत

[B] दशानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत— 2×10=20

दस के यथानिर्दिष्ट उत्तर लिखिए :

11. ब्रह्मसूत्रे कति अध्यायाः? के च ते? 1+1=2

ब्रह्मसूत्र में कितने अध्याय हैं? और वे कौन-कौन से हैं?

12. न्यायानुसारम् उपमानं किम्? उपमितिश्च का? 1+1=2

न्याय के अनुसार उपमान क्या है? और उपमिति क्या है?

13. शाब्दी भावना का? आर्थी भावना च का? 1+1=2

शाब्दी भावना और आर्थी भावना क्या है?

14. श्रीकृष्णोक्ताः भक्ताः कतिविधाः? के च ते? 1+1=2

श्रीकृष्ण ने कितने प्रकार के भक्तों का वर्णन किया है? और वे कौन-कौन से हैं?

15. भागवतोक्ता भक्तिः कतिविधाः? तत्र यथेच्छं पञ्च लिखत। 1+1=2

भागवद् में कितने प्रकार की भक्ति का वर्णन किया गया है? अपनी इच्छानुसार उनमें से कोई पाँच लिखिए।

16. उपवेदाः कति? के च ते? 1+1=2

उपवेद कितने हैं? और वे कौन-कौन से हैं?

17. हीनयानस्य नैरात्म्यवादे कति भेदः? भेदः कः? 1+1=2

हीनयान में नैरात्म्यवाद के कितने भेद हैं? और वे कौन-कौन से हैं?

18. किन्नाम प्रायश्चित्तं कर्म? तस्य उदाहरणञ्च किम्? 1+1=2

प्रायश्चित्त कर्म के क्या नाम हैं? और उनके उदाहरण क्या हैं?

19. विशिष्टाद्वैतरीत्या जीवः कतिविधः? के च ते? 1+1=2

विशिष्ट अद्वैत रीति के अनुसार जीव कितने प्रकार के हैं? और कौन-कौन से हैं?

20. चार्वाकमते पुरुषार्थाः कति? के च ते? 1+1=2

चार्वाक मत के अनुसार पुरुषार्थ कितने हैं? और कौन-कौन से हैं?

[C] दश अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त— 4×10=40

दस के लघु उत्तर दीजिए :

21. विद्यानां तात्पर्यं विचारयत। **अथवा** विद्यानां प्रयोजनम् आलोचयत।

विद्या के अर्थ पर विचार कीजिए। **अथवा** विद्या के प्रयोजन की आलोचना कीजिए।

22. विशेषाध्यारोपनिरासं समर्थयत। **अथवा** सामान्याध्यारोपनिरासं समर्थयत।

विशेष अध्यारोप निरास का समर्थन कीजिए। **अथवा** सामान्य अध्यारोप निरास का समर्थन कीजिए।

23. पञ्चहेत्वाभासानां परिचयं कुरुत। **अथवा** साङ्ख्योक्तं पुरुषस्वरूपं प्रतिपादयत।

पाँच हेत्वाभासों का परिचय दीजिए। **अथवा** सांख्य में वर्णित पुरुष स्वरूप प्रतिप्रादित कीजिए।

24. साङ्ख्यदर्शनसम्मतं प्रकृततत्त्वं वर्णयत। **अथवा** मीमांसादर्शनस्य प्रामाण्यविचारं कुरुत।

सांख्य दर्शनसम्मत प्रकृति तत्त्व का वर्णन कीजिए। **अथवा** मीमांसा दर्शन की प्रामाणिकता पर विचार कीजिए।

25. नवद्रव्याणां सलक्षणं विचारं कुरुत। **अथवा** सामान्यपदार्थविचारं कुरुत।

नव द्रव्यों के लक्षणों पर विचार कीजिए। **अथवा** सामान्य पदार्थ पर विचार कीजिए।

26. अज्ञानलक्षणविचारं कुरुत। **अथवा** कारणशरीरं संगृह्य वर्णयत।

अज्ञान के लक्षणों पर विचार कीजिए। **अथवा** कारण शरीर के बारे में संक्षेप में लिखिए।

27. मुमुक्षुत्वं प्रतिपादयत। **अथवा** पञ्चीकरणं प्रतिपादयत।

मुमुक्षु को प्रतिपादित कीजिए। **अथवा** पंचीकरण को प्रतिपादित कीजिए।

28. उपरतितितिक्षयोः विवेचनं कुरुत। **अथवा** गीतोक्तं ध्यानयोगोपदेशं विचारयत।

उपरति एवं तितिक्षा की विवेचना कीजिए। **अथवा** गीता में वर्णित ध्यानयोग के उपदेश पर विचार कीजिए।

29. अध्यारोपापवादाभ्यां जीवब्रह्मणोरैक्यं प्रदर्शयत। **अथवा** षट्विधलिङ्गानां परिचयं कुरुत।

अध्यारोप अपवाद के अनुसार जीव और ब्रह्म की एकता प्रदर्शित कीजिए। **अथवा** छह प्रकार के लिंगों का परिचय दीजिए।

30. महायानस्य स्वरूपं किम्? **अथवा** हीनयानस्य स्वरूपं किम्?

महायान का स्वरूप क्या है? **अथवा** हीनयान का स्वरूप क्या है?

[D] पञ्च दीर्घोत्तरैः समाधेयाः — 6×5=30

पाँच के दीर्घ उत्तर दीजिए :

31. दर्शनानां साम्यवैषम्ये विचारयत। **अथवा** दर्शनशास्त्रस्य प्रकारान् प्रतिपादयत।

दर्शनशास्त्रों के बीच समानताओं और भिन्नताओं पर विचार कीजिए। **अथवा** दर्शनशास्त्र के प्रकार प्रतिपादित कीजिए।

32. न्यायदर्शनोक्तं प्रत्यक्षप्रमाणं विचारयत। **अथवा** न्यायशास्त्रदिशा अनुमानोपमाने आलोचयत।

न्याय दर्शन द्वारा बताए गए प्रत्यक्ष प्रमाणों पर विचार कीजिए। **अथवा** न्यायशास्त्र के अनुमान और उपमान की आलोचना कीजिए।

33. साङ्ख्यशास्त्रमवलम्ब्य प्रकृतेः स्वरूपवर्णनं कुरुत। **अथवा** साङ्ख्यप्रतिपादितं सृष्टिक्रमं वर्णयत।

सांख्य शास्त्र के आधार पर प्रकृति के स्वरूप का वर्णन कीजिए। **अथवा** सांख्य द्वारा प्रतिपादित सृष्टि-क्रम का वर्णन कीजिए।

34. वेदान्तोक्तं श्रवणं किमिति प्रतिपादयत। **अथवा** मननिदिध्यासनयोः विस्तृतां टिप्पणीं कुरुत।

वेदांत में वर्णित श्रवण क्या है, प्रतिपादित कीजिए। **अथवा** मनन और निदिध्यासन की विस्तृत टिप्पणी कीजिए।

35. अद्वैतदिशा मोक्षं प्रति बहिरङ्गसाधनानि आलोचयत। **अथवा** गीतोक्तं ध्यानयोगसारं लिखत।

अद्वैत के अनुसार मोक्ष-प्राप्ति के बाह्य साधनों की आलोचना कीजिए। **अथवा** गीता में वर्णित ध्यान और योग का सार लिखिए।

★★★